# 50 साल बाद फिर इकट्ठे हुए 1975 के दौरान थापर में पढ़े नामी इंजीनियर

THAPAR INSTITUTE
OF ENGINEERING & TECHNOLOGY
(Deemed to be University)

पटियाला केसरी

Dated 01-DEC-2025

## 50 सालों बाद फिर इकट्ठे हुए 1975 के दौरान थापर में पढ़े नामी इंजीनियर

### थापर इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी ने जब वी मैट के पचास साल तहत गोल्डन जुबली रीयूनियन दिवस मनाया



थापर इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी में करवाए कार्यक्रम का दृश्य। (सुंदर)

पटियाला/सनौर, 30 नवम्बर (मनदीप जोसन, राजेश पंजौला) : थापर इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के 1975 के बैच ने जब वी मैट के पचास साल तहत गोल्डन जुबली रीयूनियन दिवस मना कर अपने 5 दशक पहले विद्यार्थी होने के समय की पुरानी यादें ताजा कीं। थापर इंस्टीच्यूट के इस अल्मा मेटर में देश के विभिन्न हिस्सों से आए 65 से अधिक बैचमेट, जिनमें से 9 विदेशों से पहुंचे थे, में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी सहित पुराने शिक्षक व विद्यार्थी वॉलंटियर शामिल हुए।

इस शानामते कार्यक्रम दौरान वाइस चांसलर प्रो. पदम कुमार नायर, विद्यार्थी मामलों की डीन डॉ. मीनाक्षी राणा, अकादमिक मामलों की डीन डॉ. श्रुति शर्मा, विभागों के प्रमुख, तथा पूर्व फैकल्टी सदस्य प्रो. सुन्दर सिंह, प्रो. पी.एल. बाली, डॉ. पी.के. बांसल, और डॉ. वी.पी. कौशल सहित अलुमनी रिलेशंस की मुखी मानसी भार्गव और विद्यार्थी वॉलंटियरों ने इस समारोह को शिखरों तक पहुंचा दिया।

वाइस चांसलर ने पूर्व विद्यार्थियों का उनके अल्मा मेटर में वापिस आने और अपनी यादें ताजा करने के लिए जोरदार स्वागत किया और संस्था की उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने इस मौके को मनाने के लिए विशेष तौर पर तैयार किया गया एक स्मारक भी जारी किया।

50 साल पुराने इस इंजीनियरों के बैच ने थापर प्रशासन और विद्यार्थियों द्वारा इस आयोजन को यादगार बनाने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने अपने विद्यार्थी समय की कक्षाओं में हुए लंबे भाषणों, देर रात के अध्ययन सत्रों, कैंटीन में मजाक, दोस्ती और थापरियन भावना को याद किया जो वह आज भी अपने दिलों में ताजा रखते हैं।

इस मौके पर पूर्व विद्यार्थियों को यादगारी चिन्ह दिए गए, पूर्व विद्यार्थियों के जीवनसाथी को भी पुनर्मिलन को संभव बनाने में उनके सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। विद्यार्थी वॉलंटियरों ने भागीदारों का मनोरंजन करने के लिए शानदार प्रदर्शन किए। इस दौरान विशेष रूप से पहुंचे पूर्व शिक्षकों का सम्मान करते हुए, इन पुराने विद्यार्थियों को मजबूत करियर देने के लिए धन्यवाद भी किया गया और पिछली अवधि में इस फानी संसार से कूच कर गए अपने सहपाठियों और शिक्षकों को दिलों से श्रद्धांजलि भी भेंट की गई।

इस दौरान पूर्व विद्यार्थियों ने कैंपस के विभिन्न हिस्सों का दौरा करते हुए नई लाइब्रेरी, अकादमिक ब्लॉक, प्रयोगशालाओं, वर्कशॉपों और हॉस्टलों सहित अन्य स्थानों पर भी अपनी यादें ताजा कीं। इस समय इन पुराने विद्यार्थियों के साथ विद्यार्थी वॉलंटियर ने अपनी सीनियर थापरियनों की पिछली और मौजूदा पीढ़ियों के बीच एक प्रतीकात्मक पुल बनाया।